चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार, लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
दैनिक जागरण	22.7.22	4	2-5

बेहतर समाज के निर्माण में संस्कृति का महत्वपूर्ण योगदान

प्रतिभा खोज कार्यक्रम में विद्यार्थी नृत्य प्रस्तुत करते हुए। एचएयू।

कुलपति प्रो. बीआर काम्बोज दीप प्रज्ज्वलित कर कार्यक्रम का शुभारंभ करते हुए। एचएयू

जागरण संवाददाता, हिसार: चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय के एग्रीकल्चर कालेज में विद्यार्थियों के लिए प्रतिभा खोज कार्यक्रम का आयोजन किया गया। इस कार्यक्रम में विद्यार्थियों ने बहुत उत्साह से भाग लिया और अपनी प्रतिभा का प्रदर्शन किया। इस अवसर पर विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. बीआर काम्बोज मुख्य अतिथि रहे। उन्होंने कार्यक्रम दौरान विद्यार्थियों द्वारा सांस्कृतिक कार्यक्रम में प्रदर्शित की गई प्रतिभा की प्रशंसा की। उन्होंने कहा ऐसे कार्यक्रम विद्यार्थियों के बौद्धिक व व्यक्तित्व विकास के लिए बहुत महत्वपूर्ण हैं। शिक्षा से केवल ज्ञान का विकास होता है लेकिन इस ज्ञान को प्रदर्शित करने के लिए व्यक्तित्व विकास बहुत जरूरी है। उन्होंने कहा एक बेहतर समाज के निर्माण में संस्कृति का महत्वपूर्ण योगदान होता है। उन्होंने विद्यार्थियों से शिक्षा के साथ खेल व सांस्कृतिक गतिविधियों में बढ़-चढ़कर भाग लेने के लिए आह्वान किया। कार्यक्रम में विद्यार्थियों ने मंच पर आकर अपना संक्षिप्त परिचय दिया तथा कविता, गीत, नृत्य आदि प्रस्तुत किया जिसको दर्शकों ने भूरि-भूरि प्रशंसा की। विद्यार्थियों ने सामाजिक बुराइयों पर भी कटाक्ष किए। इस अवसर पर रजिस्ट्रार डा. एसके महता, ओएसडी डा. अतुल ढींगड़ा,एग्रीकल्चर कालेज के डीन डा. एसके पाहुजा, एसोसिएट डीन डा. एमएल खिचड़ आदि गणमान्य शिक्षक उपस्थित रहे।

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार, लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
दैनिक भास्कर	22.7.22	2	1-3

प्रतिभा खोज • हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय के एग्रीकल्चर कॉलेज में हुआ आयोजन

स्टूडेंट्स ने कार्यक्रम प्रस्तुत कर मनमोहा पंजाबी और हरियाणवी गानों पर की मस्ती

भास्कर न्यूज | हिसार

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय के एग्रीकल्चर कॉलेज में आयोजित प्रतिभा खोज कार्यक्रम में स्टूडेंट्स ने उत्साह के साथ पार्टिसिपेट किया। स्टूडेंट्स ने सांस्कृतिक कार्यक्रम प्रस्तुत कर सभी का मनमोह लिया। इस अवसर पर एचएयू के वीसी प्रो. बीआर काम्बोज मुख्य अतिथि थे।

उन्होंने कहा एक बेहतर समाज के निर्माण में संस्कृति का महत्वपूर्ण योगदान होता है। यह विश्वविद्यालय कृषि विकास के साथ-साथ इस दिशा में भी अहम योगदान दे रहा है। उन्होंने विद्यार्थियों से अपने चहुंमुखी विकास के लिए शिक्षा के साथ खेल व सांस्कृतिक गतिविधियों में बढ़-चढ़ भाग लेने के लिए आह्वान किया और उन्हें अपने लक्ष्य को हासिल करने के लिए अनुशासन में रहकर कड़ी मेहनत करने के लिए कहा। उन्होंने कहा आज चुनौतियों को अवसर में बदलने का समय है। स्टूडेंट्स को इसका लाभ उठाना चाहिए और समाज व देश के निर्माण में अपना योगदान

देना चाहिए। उन्होंने कहा इस विश्वविद्यालय में उन्हें विश्वस्तरीय सुविधाएं उपलब्ध है जिनका लाभ उठाकर विद्यार्थियों को अपना लक्ष्य हासिल करना चाहिए। कार्यक्रम में विद्यार्थियों ने मंच पर आकर अपना संक्षिप्त परिचय दिया तथा कविता, गीत, नृत्य और हरियाणवी और पंजाबी डांस आदि प्रस्तुत किया जिसकी दर्शकों ने भूरि-भूरि प्रशंसा की। इस अवसर पर रजिस्ट्रार डॉ. एस.के. महता, ओएसडी डॉ. अतुल ढींगड़ा, एग्रीकल्चर कॉलेज के डीन डॉ. एस.के. पाहुजा, एसोसिएट डीन डॉ. एम.एल. खिचड़, डीन पीजीएस डॉ. के.डी. शर्मा, डायरेक्टर एचआरएम डॉ. मंजु महता सहित विभागाध्यक्ष, वैज्ञानिक व स्टूडेंट्स उपस्थित थे।

समाचार पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
हरि. भूमि	22.7.22	10	2-5

कॉलेज में वद्यार्थियों के लिए प्रतिभा खोज कार्यक्रम का आयोजन

बेहतर समाजा के निर्माण में संस्कृति का महत्वपूर्ण योगदान

सांस्कृतिक कार्यक्रम में प्रदर्शित की गई प्रतिभा की प्रशंसा की कुलपति प्रो. बी.आर. कम्बोज

हिसार। प्रतिभा खोज कार्यक्रम में वद्यार्थी नृत्य प्रस्तुत करते हुए।

हरिभूमि न्यूज ▶▶ हिसार

हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय के एग्रीकल्चर कॉलेज में विधार्थियों के लिए प्रतिभा खोज कार्यक्रम का आयोजन किया गया। इस कार्यक्रम में विधार्थियों ने बहुत उत्साह से भाग लिया और अपनी प्रतिभा का प्रदर्शन किया। इस अवसर पर विश्वविधालय के कुलपति प्रो. बीआर कम्बोज मुख्य अतिथि थे। उन्होंने कार्यक्रम दौरान विधार्थियों द्वारा सांस्कृतिक कार्यक्रम में प्रदर्शित की गई प्रतिभा की प्रशंसा की। उन्होंने कहा ऐसे कार्यक्रम विधार्थियों के बौद्धिक व व्यक्तित्व विकास के लिए बहुत महत्वपूर्ण हैं। शक्षा से केवल ज्ञान का विकास होता है लेकिन इस ज्ञान को प्रदर्शित करने के लिए व्यक्तित्व विकास बहुत जरूरी है। उन्होंने कहा एक बेहतर समाज के निर्माण में संस्कृति का महत्वपूर्ण योगदान होता है। यह विश्वविधालय कृषि विकास के साथ-साथ इस दिशा में भी अहम योगदान दे रहा है। उन्होंने विधार्थियों से अपने चहुमुखी विकास के लिए शक्षा के साथ खेल व सांस्कृतिक गतिविधियों में बढ़-चढ़कर भाग लेने के लिए आह्वान किया और उन्हें अपने लक्ष्य को हासिल करने के लिए अनुशासन में रहकर कड़ी मेहनत करने को कहा। उन्होंने कहा आज चुनौतियों को अवसर में बदलने का समय है। विधार्थियों को इसका लाभ उठाना चाहिए और समाज व देश के नमिाण में अपना योगदान देना चाहिए। उन्होंने कहा इस विश्वविधालय में उन्हें वश्विस्तरीय सुविधाएं उपलब्ध है जिनका लाभ उठाकर विधार्थियों को अपना लक्ष्य हासिल करना चाहिए। कार्यक्रम में विधार्थियों ने मंच पर आकर अपना संक्षप्ति परिचय दिया तथा कविता, गीत, नृत्य आदि प्रस्तुत किया जिसकी दर्शकों ने भूरि-भूरि प्रशंसा की। विधार्थियों ने सामाजिक बुराइयों पर भी कटाक्ष किए। इस अवसर पर रजिस्ट्रार डॉ. एस.के. महता, ओएसडी डॉ. अतुल ढींगड़ा, एग्रीकल्चर कॉलेज के डीन डॉ. एस.के. पाहुजा, एसोसिएट डीन डॉ. एम.एल. खिचड़, डीन पीजीएस डॉ. के.डी. शर्मा, डायरेक्टर एचआरएम डॉ. मंजु महता सहित विभागाध्यक्ष, वैज्ञानिक व विद्यार्थी उपस्थित थे।

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार, लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
अमर उजाला	22.7.22	4	3-5

छात्रों ने सामाजिक बुराइयों पर किए कटाक्ष

एचएयू के एग्रीकल्चर कॉलेज के प्रतिभा खोज कार्यक्रम में नृत्य प्रस्तुत करते विद्यार्थी। संवाद

माई सिटी रिपोर्टर

हिसार। चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय (एचएयू) के एग्रीकल्चर कॉलेज में विद्यार्थियों के लिए प्रतिभा खोज कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में विद्यार्थियों ने मंच से कविता, गीत, नृत्य के माध्यम से सामाजिक बुराइयों पर भी कटाक्ष किए।

विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. बीआर कांबोज ने कहा ऐसे कार्यक्रम विद्यार्थियों के बौद्धिक व व्यक्तित्व विकास के लिए बहुत महत्वपूर्ण हैं। शिक्षा से केवल ज्ञान का विकास होता है, लेकिन इस ज्ञान को प्रदर्शित करने के लिए व्यक्तित्व विकास बहुत जरूरी है। इस अवसर पर रजिस्ट्रार डॉ. एसके महता, ओएसडी डॉ. अतुल ढींगड़ा, एग्रीकल्चर कॉलेज के डीन डॉ. एसके पाहुजा, एसोसिएट डीन डॉ. एमएल खिचड़, डॉ. केडी शर्मा, डॉ. मंजु महता आदि मौजूद रहे।

प्रतिभा खोज कार्यक्रम में नृत्य प्रस्तुत करते विद्यार्थी। संवाद

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार, लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
अजीत समाचार	22.7.22	10	6-8

बेहतर समाज के निर्माण में संस्कृति का महत्वपूर्ण योगदान

एग्रीकल्चर कॉलेज में प्रतिभा खोज कार्यक्रम में बोले कुलपति

हिसार, 21 जुलाई (विरेंद्र वर्मा) : चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय के एग्रीकल्चर कॉलेज में विद्यार्थियों के लिए प्रतिभा खोज कार्यक्रम का आयोजन किया गया। इस कार्यक्रम में विद्यार्थियों ने बहुत उत्साह से भाग लिया और अपनी प्रतिभा का प्रदर्शन किया। इस अवसर पर विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. बी.आर. काम्बोज मुख्य अतिथि थे। उन्होंने कार्यक्रम दौरान विद्यार्थियों द्वारा सांस्कृतिक कार्यक्रम में प्रदर्शित की गई प्रतिभा की प्रशंसा की। उन्होंने कहा ऐसे कार्यक्रम विद्यार्थियों के बौद्धिक व व्यक्तित्व विकास के लिए बहुत महत्वपूर्ण हैं। शिक्षा से केवल ज्ञान का विकास होता है लेकिन इस ज्ञान को प्रदर्शित करने के लिए व्यक्तित्व विकास बहुत जरूरी है। उन्होंने कहा एक बेहतर समाज के निर्माण में संस्कृति का महत्वपूर्ण योगदान होता है। यह विश्वविद्यालय कृषि विकास के साथ-साथ इस दिशा में भी अहम योगदान दे रहा है। उन्होंने विद्यार्थियों से अपने चहुंमुखी विकास के लिए शिक्षा के साथ खेल व सांस्कृतिक गतिविधियों में बढ़-चढ़कर भाग लेने के लिए आह्वान किया और उन्हें अपने लक्ष्य को हासिल करने के लिए अनुशासन में रहकर कड़ी मेहनत करने को कहा। उन्होंने कहा आज चुनौतियों को अवसर में बदलने का समय है। विद्यार्थियों को इसका लाभ उठाना चाहिए और समाज व देश के निर्माण में अपना योगदान देना चाहिए। उन्होंने कहा इस विश्वविद्यालय में उन्हें विश्वस्तरीय सुविधाएं उपलब्ध है जिनका लाभ उठाकर विद्यार्थियों को अपना लक्ष्य हासिल करना चाहिए।

कुलपति प्रो. बी.आर. काम्बोज दीप प्रज्वलित कर कार्यक्रम का शुभारंभ करते हुए।

कार्यक्रम में विद्यार्थियों ने मंच पर आकर अपना संक्षिप्त परिचय दिया तथा कविता, गीत, नृत्य आदि प्रस्तुत किया जिसकी दर्शकों ने प्रशंसा की। विद्यार्थियों ने सामाजिक बुराइयों पर भी कटाक्ष किए। इस अवसर पर रजिस्ट्रार डॉ. एस.के. महता, ओएसडी डॉ. अतुल ढींगड़ा, एग्रीकल्चर कॉलेज के डीन डॉ. एस.के. पाहुजा, एसोसिएट डीन डॉ. एम.एल. खिचड़, डीन पीजीएस डॉ. के.डी. शर्मा, डायरेक्टर एचआरएम डॉ. मंजु महता सहित विभागाध्यक्ष, वैज्ञानिक व विद्यार्थी उपस्थित थे।

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार, लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
दैनिक ट्रिब्यून	22.7.22	7	3-4

एचएयू में प्रतिभा खोज कार्यक्रम

'सांस्कृतिक कार्यक्रमों से होता है व्यक्तित्व विकास'

हिसार में प्रतिभा खोज कार्यक्रम में विद्यार्थी नृत्य प्रस्तुत करते हुए। -निस

हिसार, 21 जुलाई (निस)

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय के एग्रीकल्चर कॉलेज में विद्यार्थियों के लिए प्रतिभा खोज कार्यक्रम का आयोजन किया गया।

इस कार्यक्रम में विद्यार्थियों ने अपनी प्रतिभा का प्रदर्शन किया। कुलपति प्रो बीआर काम्बोज ने कहा कि ऐसे कार्यक्रम विद्यार्थियों के बौद्धिक व व्यक्तित्व विकास के लिए बहुत महत्वपूर्ण हैं। शिक्षा से केवल ज्ञान का विकास होता है, लेकिन इस ज्ञान को प्रदर्शित करने के लिए व्यक्तित्व विकास बहुत जरूरी है। उन्होंने विद्यार्थियों से अपने चहुंमुखी विकास के लिए शिक्षा के साथ खेल व सांस्कृतिक गतिविधियों में बढ़ चढ़कर भाग लेने के लिए आह्वान किया और उन्हें अपने लक्ष्य को हासिल करने के लिए अनुशासन में रहकर कड़ी मेहनत करने को कहा। कार्यक्रम में विद्यार्थियों ने मंच पर आकर अपना संक्षिप्त परिचय दिया तथा कविता, गीत, नृत्य आदि प्रस्तुत किया। विद्यार्थियों ने सामाजिक बुराइयों पर भी कटाक्ष किए।

ये रहे मौजूद

इस अवसर पर रजिस्ट्रार डॉ. एसके महता, ओएसडी डॉ. अतुल ढींगड़ा, एग्रीकल्चर कॉलेज के डीन डॉ. एसके पाहुजा, एसोसिएट डीन डॉ. एमएल खिचड़, डीन पीजीएस डॉ. वेदी शर्मा, डायरेक्टर एएआरएम डॉ. मंजू महता मौजूद थे।

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार, लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
पंजाब केसरी	22.7.22	3	1-5

प्रतिभा खोज कार्यक्रम में सामाजिक बुराइयों पर किया कटाक्ष

हिसार, 21 जुलाई (ब्यूरो): चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय के एग्रीकल्चर कॉलेज में विद्यार्थियों के लिए प्रतिभा खोज कार्यक्रम का आयोजन किया गया। इस कार्यक्रम में विद्यार्थियों ने बहुत उत्साह से भाग लिया और अपनी प्रतिभा का प्रदर्शन किया।

इस अवसर पर विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. बी.आर. काम्बोज मुख्य अतिथि थे। उन्होंने कार्यक्रम दौरान विद्यार्थियों द्वारा सांस्कृतिक कार्यक्रम में प्रदर्शित की गई प्रतिभा की प्रशंसा की। उन्होंने कहा ऐसे कार्यक्रम विद्यार्थियों के बौद्धिक व व्यक्तित्व विकास के लिए बहुत महत्वपूर्ण हैं। शिक्षा से केवल ज्ञान का विकास होता है, लेकिन इस ज्ञान को प्रदर्शित करने के लिए व्यक्तित्व विकास बहुत जरूरी है।

प्रतिभा खोज कार्यक्रम में नृत्य प्रस्तुत करते विद्यार्थी।

उन्होंने कहा एक बेहतर समाज के निर्माण में संस्कृति का महत्वपूर्ण योगदान होता है। यह विश्वविद्यालय कृषि विकास के साथ-साथ इस दिशा में भी अहम योगदान दे रहा है। उन्होंने विद्यार्थियों से अपने चहुंमुखी विकास के लिए शिक्षा के साथ खेल व सांस्कृतिक गतिविधियों में बढ़-चढ़कर भाग लेने के लिए आह्वान किया।

कार्यक्रम में विद्यार्थियों ने मंच पर आकर अपना संक्षिप्त परिचय दिया तथा कविता, गीत, नृत्य आदि प्रस्तुत किया। विद्यार्थियों ने सामाजिक बुराइयों पर भी कटाक्ष किए। इस अवसर पर रजिस्ट्रार डॉ. एस.के. महता, ओ.एस.डी. डॉ. अतुल ढींगड़ा, एग्रीकल्चर कॉलेज के डीन डॉ. एस.के. पाहुजा, एसोसिएट डीन डॉ. एम.एल. खिचड़, डीन पी.जी.एस. डॉ. के.डी. शर्मा, डायरेक्टर एच.आर.एम. डॉ. मंजु महता सहित विभागाध्यक्ष, वैज्ञानिक व विद्यार्थी उपस्थित थे।

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार, लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
नभ-छोर	21.07.2022	—	—

हकृवि कृषि महाविद्यालय में प्रतिभा खोज प्रतियोगिता, विद्यार्थियों ने बांधा समां

हिसार/ 21 जुलाई/ रिपोर्टर

हिसार। चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय के एग्रीकल्चर कॉलेज में विद्यार्थियों के लिए प्रतिभा खोज कार्यक्रम का आयोजन किया गया। इसमें कुलपति प्रो. बीआर काम्बोज मुख्य अतिथि थे। उन्होंने विद्यार्थियों द्वारा सांस्कृतिक कार्यक्रम में प्रदर्शित की गई प्रतिभा की प्रशंसा की। उन्होंने कहा कि ऐसे कार्यक्रम विद्यार्थियों के बौद्धिक व व्यक्तित्व विकास के लिए बहुत महत्वपूर्ण हैं। शिक्षा से केवल ज्ञान का विकास होता है लेकिन इस ज्ञान को प्रदर्शित करने के लिए व्यक्तित्व विकास बहुत जरूरी है। उन्होंने कहा एक बेहतर समाज के निर्माण में संस्कृति का महत्वपूर्ण योगदान होता है। यह विश्वविद्यालय कृषि विकास के साथ-साथ इस दिशा में भी अहम योगदान दे रहा है। उन्होंने कहा आज चुनौतियों को अवसर में बदलने का समय है। विद्यार्थियों को इसका लाभ उठाना चाहिए और समाज व देश के निर्माण में अपना योगदान देना चाहिए। उन्होंने कहा इस विश्वविद्यालय में उन्हें विश्वस्तरीय सुविधाएं उपलब्ध है, जिनका लाभ उठाकर विद्यार्थियों को अपना लक्ष्य हासिल करना चाहिए। कार्यक्रम में विद्यार्थियों

ने कविता, गीत, नृत्य आदि प्रस्तुत किया, जिसकी दर्शकों ने भूरि-भूरि प्रशंसा की। विद्यार्थियों ने सामाजिक बुराइयों पर भी कटाक्ष किए। इस अवसर पर रजिस्ट्रार डॉ. एसके महता, ओएसडी डॉ. अतुल ढींगड़ा, एग्रीकल्चर कॉलेज के डीन डॉ. एसके पाहुजा, एसोसिएट डीन डॉ. एमएल खिचड़, डीन पीजीएस डॉ. केडी शर्मा, डायरेक्टर एचआरएम डॉ. मंजु महता आदि उपस्थित थे।

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार, लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
दैनिक हिसार	22.07.2022	—	—

बेहतर समाज के निर्माण में संस्कृति का महत्वपूर्ण योगदान : प्रो. बी आर काम्बोज

हिसार: चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय के एग्रीकल्चर कॉलेज में विद्यार्थियों के लिए प्रतिभा खोज कार्यक्रम का आयोजन किया गया। इस कार्यक्रम में विद्यार्थियों ने बहुत उत्साह से भाग लिया और अपनी प्रतिभा का प्रदर्शन किया।

इस अवसर पर विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. बी.आर. काम्बोज मुख्य अतिथि थे। उन्होंने कार्यक्रम दौरान विद्यार्थियों द्वारा सांस्कृतिक कार्यक्रम में प्रदर्शित की गई प्रतिभा की प्रशंसा की। उन्होने कहा ऐसे कार्यक्रम विद्यार्थियों के बौद्धिक व व्यक्तित्व विकास के लिए बहुत महत्वपूर्ण हैं। शिक्षा से केवल ज्ञान का विकास होता है लेकिन इस ज्ञान को प्रदर्शित करने के लिए व्यक्तित्व विकास बहुत जरूरी है। उन्होंने कहा एक बेहतर समाज के निर्माण में संस्कृति का महत्वपूर्ण योगदान होता है। यह विश्वविद्यालय कृषि विकास के साथ-साथ इस दिशा में भी अहम योगदान दे रहा है। उन्होंने विद्यार्थियों से अपने चहुमुखी विकास के लिए शिक्षा के साथ खेल व सांस्कृतिक गतिविधियों में बढ़ चढ़कर भाग लेने के लिए आह्वान किया और उन्हे अपने लक्ष्य को हासिल करने के लिए अनुशासन में रहकर कड़ी मेहनत करने को कहा। उन्होंने कहा आज चुनौतियों को अवसर में बदलने का समय है। विद्यार्थियों को इसका लाभ उठाना चाहिए और समाज व देश के निर्माण में अपना योगदान देना चाहिए। उन्होंने कहा इस विश्वविद्यालय में उन्हे विश्वस्तरीय सुविधाएँ उपलब्ध है जिनका लाभ उठाकर विद्यार्थियों को अपना लक्ष्य हासिल करना चाहिए।

कार्यक्रम में विद्यार्थियों ने मंच पर आकर अपना संक्षिप्त परिचय दिया तथा कविता, गीत, नृत्य आदि प्रस्तुत किया जिसकी दर्शकों ने भूरि-भूरि प्रशंसा की। विद्यार्थियों ने सामाजिक बुराइयों पर भी कटाक्ष किए। इस अवसर पर रजिस्ट्रार डॉ. एस.के. महता, ओएसडी डॉ. अतुल ढींगड़ा, एग्रीकल्चर कॉलेज के डीन डॉ. एस.के. पाहुजा, एसोसिएट डीन डॉ. एम.एल. खिचड़, डीन पीजीएस डॉ. के.डी. शर्मा, डायरेक्टर एचआरएम डॉ. मंजु महता सहित विभागाध्यक्ष, वैज्ञानिक व विद्यार्थी उपस्थित थे।

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार, लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
पल पल	22.07.2022	—	—

हकृवि में प्रतिभा खोज कार्यक्रम में थिरके विद्यार्थी

पल पल न्यूज: हिसार, 21 जुलाई (सुरेंद्र सोढी)। चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय के एग्रीकल्चर कॉलेज में विद्यार्थियों के लिए प्रतिभा खोज कार्यक्रम का आयोजन किया गया। इस कार्यक्रम में विद्यार्थियों ने बहुत उत्साह से भाग लिया और अपनी प्रतिभा का प्रदर्शन किया। इस अवसर पर विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. बी.आर. काम्बोज मुख्य अतिथि थे। उन्होंने कार्यक्रम दौरान विद्यार्थियों द्वारा सांस्कृतिक कार्यक्रम में प्रदर्शित की गई प्रतिभा की प्रशंसा की। उन्होंने कहा ऐसे कार्यक्रम विद्यार्थियों के बौद्धिक व व्यक्तित्व विकास के लिए बहुत महत्वपूर्ण हैं। शिक्षा से केवल ज्ञान का विकास होता है लेकिन इस ज्ञान को प्रदर्शित करने के लिए व्यक्तित्व विकास बहुत जरूरी है। उन्होंने कहा एक बेहतर समाज के निर्माण में संस्कृति का महत्वपूर्ण योगदान होता है। यह विश्वविद्यालय कृषि विकास के साथ-साथ इस दिशा में भी अहम योगदान दे रहा है। उन्होंने विद्यार्थियों से अपने चहुमुखी विकास के लिए शिक्षा के साथ खेल व सांस्कृतिक गतिविधियों में बढ़ चढ़कर भाग लेने के लिए आह्वान किया और उन्हे अपने लक्ष्य को हासिल करने के लिए अनुशासन में रहकर कड़ी मेहनत करने को कहा। उन्होंने कहा आज चुनौतियों को अवसर में बदलने का समय है। विद्यार्थियों को इसका लाभ उठाना चाहिए और समाज व देश के निर्माण में अपना योगदान देना चाहिए। उन्होंने कहा इस विश्वविद्यालय में उन्हे विश्वस्तरीय सुविधाएँ उपलब्ध है जिनका लाभ उठाकर विद्यार्थियों को अपना लक्ष्य हासिल करना चाहिए। कार्यक्रम में विद्यार्थियों ने मंच पर आकर अपना संक्षिप्त परिचय दिया तथा कविता, गीत, नृत्य आदि प्रस्तुत किया जिसकी दर्शकों ने भूरि-भूरि प्रशंसा की। विद्यार्थियों ने सामाजिक बुराइयों पर भी कटाक्ष किए। इस अवसर पर रजिस्ट्रार डॉ. एस.के. महता, ओएसडी डॉ. अतुल ढींगड़ा, एग्रीकल्चर कॉलेज के डीन डॉ. एस.के. पाहुजा, एसोसिएट डीन डॉ. एम.एल. खिचड़, डीन पीजीएस डॉ. के.डी. शर्मा, डायरेक्टर एचआरएम डॉ. मंजु मेहता सहित विभागाध्यक्ष, वैज्ञानिक व विद्यार्थी उपस्थित थे।

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार, लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
सिटी पल्स	21.07.2022	—	—

बेहतर समाज के निर्माण में संस्कृति का महत्वपूर्ण योगदान : प्रो. बीआर काम्बोज

सिटी पल्स न्यूज, हिसार। चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय के एग्रीकल्चर कॉलेज में विद्यार्थियों के लिए प्रतिभा खोज कार्यक्रम का आयोजन किया गया। इस अवसर पर कुलपति प्रो. बी.आर. काम्बोज मुख्य अतिथि थे। उन्होंने कहा ऐसे कार्यक्रम विद्यार्थियों के बौद्धिक व व्यक्तित्व विकास के लिए बहुत महत्वपूर्ण है। शिक्षा से केवल ज्ञान का विकास होता है लेकिन इस ज्ञान को प्रदर्शित करने के लिए व्यक्तित्व विकास बहुत जरूरी है। उन्होंने कहा एक बेहतर समाज के निर्माण में संस्कृति का महत्वपूर्ण योगदान होता है। यह विश्वविद्यालय कृषि विकास के साथ-साथ इस दिशा में भी अहम योगदान दे रहा है।

उन्होंने विद्यार्थियों से अपने चहुंमुखी विकास के लिए शिक्षा के साथ खेल व सांस्कृतिक गतिविधियों में बढ़ चढ़कर भाग लेने के लिए आह्वान किया और उन्हे अपने लक्ष्य को हासिल करने के लिए अनुशासन में रहकर कड़ी मेहनत करने को कहा। उन्होंने कहा आज चुनौतियों को अवसर में बदलने का समय है। विद्यार्थियों को इसका लाभ उठाना चाहिए और समाज व देश के निर्माण में अपना योगदान देना चाहिए। उन्होंने कहा इस विश्वविद्यालय में उन्हे विश्वस्तरीय सुविधाएं उपलब्ध है जिनका लाभ उठाकर विद्यार्थियों को अपना लक्ष्य हासिल करना चाहिए।

कार्यक्रम में विद्यार्थियों ने सामाजिक बुराइयों पर भी कटाक्ष किए। इस अवसर पर रजिस्ट्रार डॉ. एस.के. महता, डॉ. अतुल ढींगड़ा, डॉ. एस.के. पाहुजा, डॉ. एम.एल. खिचड़, डॉ. के.डी. शर्मा, डॉ. मंजु महता सहित विभागाध्यक्ष, वैज्ञानिक व विद्यार्थी उपस्थित थे।

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय,
हिसार, लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
दैनिक भास्कर	21.7.22	2	1-5

प्रशिक्षण • सिरसा के किसान मुकेश आधा एकड़ में ट्रेनिंग सेंटर खोल किसानों को दे रहे टिप्स

प्राकृतिक खेती से हर 6 माह में लाखों कमा रहे किसान, एचएयू किसानों को कर रहा जागरूक

महबूब अली | हिसार

प्राकृतिक तरीके से खेती कर प्रदेश के किसान खुद की आय बढ़ाने के साथ-साथ लोगों को भी रोगमुक्त सब्जियां और फल उपलब्ध कराने में अहम भूमिका निभा रहे हैं। पिछले कई वर्षों से खेती में काफी नुकसान देखने को मिल रहा है। इसका मुख्य कारण हानिकारक कीटनाशकों का उपयोग है। इसमें लागत भी बढ़ रही है। भूमि के प्राकृतिक स्वरूप में भी बदलाव हो रहे है जो काफी नुकसान भरे हो सकते हैं। रासायनिक खेती से प्रकृति में और मनुष्य के स्वास्थ्य में काफी गिरावट आई है। एचएयू के वैज्ञानिक प्रदेश के किसानों को गोष्ठी और अभियान के माध्यम से प्राकृतिक खेती कर आमदनी बढ़ाने के प्रति जागरूक कर रहे हैं। भास्कर ने प्रदेश के प्राकृतिक खेती कर तीन से लेकर छह माह में डेढ़ से लेकर दो लाख रुपए तक कमाने वाले प्रगतिशील किसानों से बात की। पेश है बातचीत के प्रमुख अंश....

लोगों को रोगमुक्त सब्जियां, फल भी उपलब्ध करा रहे किसान

विजय 8 साल से कर रहे प्राकृतिक खेती

यमुनानगर के विजय कुमार 20 एकड़ में पिछले 8 साल से प्राकृतिक खेती कर हल्दी, गन्ना, चावल, दालें इत्यादी उगा रहे हैं व सीधे खपतकार को बेच रहे हैं। उन्होंने पीजीएसइंडिया सर्टिफिकेशन भी करा रखा है ताकि पंचकूला, चंडीगढ़ में बेचने में आसानी रहे।

12 अन्य साथियों के साथ कर रहे खेती

मौजगढ़ के किसान विनोद अरोडा ने 300 एकड़ में फलों का बाग लगाया हुआ है। वह 12 अन्य साथियों के साथ मिलकर प्राकृतिक खेती कर रहे हैं। अन्य किसानों को भी जागरूक किया जा रहा है।

2 साल से कर रहे प्राकृतिक खेती

सिरसा के किसान मुकेश कांबोज ने बताया कि वह 2 साल से एक एकड़ में प्राकृतिक खेती कर रहे हैं। यही नहीं आधा एकड़ में उन्होंने ट्रेनिंग सेंटर भी बनाया है। जिसमें प्रदेश के किसानों को टिप्स देते है।

खेती के साथ पशु पालन से लाखो कमा रहीं महिला किसान

सिरसा की वसुधा बंसल ने 3 साल पूर्व ही प्राकृतिक खेती का 52 एकड़ में बाग लगाया था। वह बकरी, गाय, भैंस व मुर्गी पालन से वर्मी कंपोस्ट तैयार कर बिक्री करती हैं। वसुधा ने 10 अन्य को भी नौकरी दी है। वह सीजन में 2 लाख से अधिक कमा रही हैं।

जानिए.. क्या है प्राकृतिक खेती...

एचएयू वैज्ञानिक डॉ. बलजीत सहारण के अनुसार, प्राकृतिक खेती कृषि की प्राचीन पद्धति है। प्राकृतिक खेती में रासायनिक कीटनाशक का उपयोग नहीं किया जाता है। प्राकृतिक खेती में कीटनाशकों के रूप में गोबर की खाद, कम्पोस्ट, फसल अवशेष द्वारा पौधों को पोषक तत्व दिए जाते हैं। कीटनाशक से बचाने के लिए जैविक कीटनाशक का उपयोग किया जाता है।

 # एचएयू प्रदेश के किसानों को प्राकृतिक खेती के प्रति जागरूक कर रहा है। किसानों को गोष्ठी आदि के माध्यम से जागरूक किया जा रहा है। किसान खेती करने को आगे भी आ रहे हैं।
-प्रोफेसर बीआर काम्बोज,
कुलपति, एचएयू, हिसार